भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2967

जिसका उत्तर 12 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

राजस्थान में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना

2967. श्री भजन लाल जाटव:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के लिए किन राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं तथा इसकी तिथि सहित वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उक्त परियोजना में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार का योगदान क्या है;

(ग) संपूर्ण परियोजना में अनुमानित कितनी राशि उपयोग में लाई जाएगी और इस संबंध में प्रस्तावित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) क्या है;

(घ) उक्त परियोजना के प्रारंभ होने की तारीख और इसके कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(ङ) उक्त परियोजना में शामिल नदियों का विवरण और नाम क्या हैं और उक्त परियोजना के तहत किन जिलों को पानी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ग): जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ राजस्थान और मध्यप्रदेश राज्य द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के साथ विधिवत एककृत संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल (एमपीकेसी) लिंक परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और ऑन बोर्ड आयोजना के लिए दिनांक 28.01.2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) का एक रूप है। इसके अलावा, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस परियोजना के विभिन्न घटकों जल बंटवारा और विस्तृत परियोजन रिपोर्ट को शीघ्रता से पूरा करने से संबंधित उनकी आशंकाओं के समाधान के लिए दोनों राज्यों के साथ विभिन्न स्तरों पर संयुक्त प्रयास किया गया है। इस परियोजना की अंतिम लागत और लागत बंटवारे पर विचार का आंकलन दोनों राज्यों द्वारा इस लिंक परियोजना की सभी घटकों की डीपीआर के अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात् किया जा सकता है।

(घ): परियोजना शुरू होने की तारीख और जिस समय इसके पूरे होने की संभावना है, वह दोनों राज्यों पर निर्भर करेगा कि वे अपने संबंधित घटकों की डीपीआर को पूरा करें, आवश्यक वैधानिक मंजूरी प्राप्त करें और परियोजना के कार्यान्वयन के लिए अन्य प्रारंभिक आवश्यकताओं को पूरा करें।

(ङ) एमपीकेसी लिंक परियोजना में अन्य बातों के साथ-साथ प्रमुख नदियां शामिल हैं, जैसे कि चंबल और उसकी सहायक नदियां जैसे कि पार्बती, कालीसिंध, कुनो, बनास, बाणगंगा, रूपारैल, गमभीरी और मेजे। इस परियोजना के तहत झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर, डींग, अलवर, खैरथल- तिजारा, कोटपुतली- बहरोड़, जयपुर शहरी, जयपुर ग्रामीण, डूडू, अजमेर, ब्यावर और केकरी जिलों के 21 नव गठित जिलों और राजस्थान के टैंक और गांव, और मध्यप्रदेश के गुना, शिवपुरी, श्योपुर, सीहोर, शाजापुर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, मंदसौर, भिंड, मोरैना, अगर मालवा, रतलाम, ग्वालियर और धार के लिए पेयजल आपूर्ति, सिंचाई और औद्योगिक कार्यों के लिए जल की आपूर्ति को पूरा करने के लिए जल उपलब्ध करने की कल्पना की गई है।

*****